

# 名句学习辞典

(上)

许日东  
尹承甫  
刘洪德

主编

济南出版社

# 名句学习辞典

许曰东 尹承甫 刘洪德 主编

(上)

济南出版社

名句学习辞典(上)

许曰东等主编

责任编辑:戴永夏

封面设计:侯文英

济南出版社出版  
(济南市经七路 251 号)

新华书店发行  
济南新华印刷厂印刷

开本:850×1168 1/32

2006 年 11 月第 2 版

印张:9.5

2006 年 11 月第 1 次印刷

字数:360 千

印数 1-5000 册

ISBN 7-80572-921-2/G·313

定价:39 元

## 凡 例

一、本书共收名句 1900 余条,按每句第一个字的笔画多少分类排列。第一字笔画相同的分为一类,共 21 类;并按笔画由少到多的次序排列。

二、所收名句,均有注音、出处、讲解、原诗四部分,并按此顺序排列。

三、原诗一般全录,较长的酌情节录。

四、所收名句,多出自诗、词、曲、民歌俗谚、无题断句和对联,编排不分体裁,只在各句的“原诗”处分别注明是“诗”、“词”或“曲”。

五、为方便查检,名句是复句者,在目次里只列出上句,而在书中全部列出。

## 前 言

教师在教学过程中,经常遇到学生问及一些名句的出处和句意。由于资料不凑手,往往花很大的功夫却难以找到准确的答案。为了帮助教师们解决这一困难,同时也有利于学生自学,我们便编写这本供师生用的《名句学习辞典》。

浩如烟海的中华古籍,名句繁多。面对中小學生这样的读者群,我们不能求全、求大、求高、求深。本书从选句到注音,再到讲解,我们都是从为中小學生服务这一点出发,尽量做到通俗、简约、明了。当然也借鉴参考了其他一些词典的注释和做法。

本书在编写过程中,先由刘洪德、李观录、吴启明、管庆军、刘志强、吕振远等同志分头选句、注音、讲解,后又集体通稿,反复多次,历时近两年,终成初稿。最后经许曰东、尹承甫、刘洪德、吴启明把关定稿。尽管如此,由于我们水平所限,仍会有不少错误和不尽人意的地方,恳请广大师生和社会各界人士批评指正。

编 者

1995年10月

## 目 录

## 一 画

- |                    |                   |
|--------------------|-------------------|
| 一片花飞减却春····· (1)   | 一双冷眼看世人····· (6)  |
| 一年好景君须记····· (1)   | 一失足成千古恨····· (6)  |
| 一年将尽夜····· (1)     | 一曲离歌两行泪····· (6)  |
| 一年生活是三春····· (1)   | 一场欢喜忽悲辛····· (7)  |
| 一叶叶，一声声····· (2)   | 一折青山一扇屏····· (7)  |
| 一事无成两鬓丝····· (2)   | 一声留得满城春····· (7)  |
| 一人独钓一江秋····· (2)   | 一声震得人方恐····· (7)  |
| 一箫一剑平生意····· (2)   | 一声梧叶一声秋····· (7)  |
| 一树春风千万枝····· (2)   | 一身转战三千里····· (8)  |
| 一夫当关，万夫莫开····· (3) | 一身报国有万死····· (8)  |
| 一心似水唯平好····· (3)   | 一言为重百金轻····· (8)  |
| 一丘一壑也风流····· (3)   | 一波才动万波随····· (9)  |
| 一去不回唯少年····· (3)   | 一派青山景色幽····· (9)  |
| 一生肝胆向人尽····· (4)   | 一顾倾人城····· (9)    |
| 一生依样画葫芦····· (4)   | 一看肠一断····· (9)    |
| 一水护田将绿绕····· (4)   | 一辞故国十经秋····· (10) |
| 一岁中分春日少····· (4)   | 一点浩然气····· (10)   |
| 一川烟草，满城风絮····· (5) | 一行书不读····· (10)   |
| 一朵忽先变····· (5)     | 一语天然万古新····· (10) |
| 一日不见····· (5)      | 一壶浊酒喜相逢····· (11) |
| 一发不可牵····· (5)     | 一家富贵千家怨····· (11) |
| 一双瞳人剪秋水····· (6)   | 一诗千改始心安····· (11) |
|                    | 一间茅屋何所值····· (11) |

|               |      |               |      |
|---------------|------|---------------|------|
| 一个是水中月 .....  | (12) | 几处觅不得 .....   | (19) |
| 一腔热血勤珍重 ..... | (12) | 几处早莺争暖树 ..... | (19) |
| 一川碎石大如斗 ..... | (12) | 几时杯重把 .....   | (19) |
| 一日不作诗 .....   | (13) | 儿孙自有儿孙计 ..... | (19) |
| 一叫一回肠一断 ..... | (13) | 儿今远归来 .....   | (19) |
| 一字无题处 .....   | (13) | 人难再得始为佳 ..... | (20) |
| 一好百般宜 .....   | (13) | 人从虎豹丛中健 ..... | (20) |
| 一枝春雪冻梅花 ..... | (13) | 人人尽说江南好 ..... | (20) |
| 一夜绿房迎白晓 ..... | (14) | 人无千日好 .....   | (20) |
| 一夜绿荷霜剪破 ..... | (14) | 人生七十古来稀 ..... | (21) |
| 一夜催花雨 .....   | (14) | 人生交契无老少 ..... | (21) |
| 一息不相知 .....   | (14) | 人生多求复多怨 ..... | (21) |
| 一骑红尘妃子笑 ..... | (14) | 人生天地间 .....   | (21) |
| 一朝权入手 .....   | (15) | 人生只似风前絮 ..... | (22) |
| 一道残阳铺水中 ..... | (15) | 人生在世不称意 ..... | (22) |
| 一路稻花谁是主 ..... | (15) | 人生百年几今日 ..... | (22) |
| 一溪寒色渔收网 ..... | (15) | 人生不相见 .....   | (23) |
| 二 画           |      | 人生归有道 .....   | (23) |
| 二句三年得 .....   | (16) | 人生有酒须当醉 ..... | (23) |
| 二月卖新丝 .....   | (16) | 人生有新故 .....   | (23) |
| 二十五弦弹夜月 ..... | (16) | 人生自是有情痴 ..... | (23) |
| 十日雨丝风片里 ..... | (16) | 人生有情泪沾臆 ..... | (24) |
| 十年前事翻疑梦 ..... | (17) | 人生识字忧患始 ..... | (24) |
| 十年别泪知多少 ..... | (17) | 人生如梦 .....    | (24) |
| 十年生死两茫茫 ..... | (17) | 人生要当学 .....   | (24) |
| 十年窗下无人问 ..... | (17) | 人生自古谁无死 ..... | (25) |
| 十觴亦不醉 .....   | (18) | 人生何处不相逢 ..... | (25) |
| 十分秋色无人管 ..... | (18) | 人生得意须尽欢 ..... | (25) |
| 八月湖水平 .....   | (18) | 人生芳秽有千载 ..... | (25) |

|           |      |         |      |
|-----------|------|---------|------|
| 人生到处知何似   | (26) | 了知不是梦   | (32) |
| 人间只道黄金贵   | (26) | 入门各自媚   | (32) |
| 人间岁月堂堂去   | (26) | 入帘残月影   | (32) |
| 人间岂有无愁处   | (26) | 九州生气恃风雷 | (33) |
| 人间别久不成悲   | (27) | 九州道路无豺虎 | (33) |
| 人情翻覆似波澜   | (27) | 九曲黄河万里沙 | (33) |
| 人情旦暮有翻覆   | (27) | 力尽不知热   | (33) |
| 人情薄似秋云    | (27) |         |      |
| 人情似纸番番薄   | (27) | 三 画     |      |
| 人逢喜事精神爽   | (28) | 三分春色二分愁 | (34) |
| 人无害虎心     | (28) | 三十功名尘与土 | (34) |
| 人皆养子望聪明   | (28) | 三径就荒秋自好 | (34) |
| 人皆余酒肉     | (28) | 三万里河东入海 | (34) |
| 人归落雁后     | (28) | 三更画船穿藕花 | (35) |
| 人老簪花不自羞   | (29) | 寸心言不尽   | (35) |
| 人而无仪      | (29) | 大江流日夜   | (35) |
| 人似秋鸿来有信   | (29) | 大江东去    | (35) |
| 人如风后入江云   | (29) | 大江之南风景殊 | (36) |
| 人到愁来无处会   | (30) | 大漠孤烟直   | (36) |
| 人怜贫病不堪忧   | (30) | 大声吹地转   | (36) |
| 人面仅一尺     | (30) | 大鹏一日同风起 | (36) |
| 人面不看看佛面   | (30) | 大贤虎变愚不测 | (37) |
| 人海阔,无日不风波 | (31) | 大海从鱼跃   | (37) |
| 人意共怜花月满   | (31) | 山不厌高    | (37) |
| 人静鸟鸢自乐    | (31) | 山光悦鸟性   | (37) |
| 人言落日是天涯   | (31) | 山气日夕佳   | (38) |
| 人有悲欢离合    | (31) | 山雨欲来风满楼 | (38) |
| 人亦有言,进退维谷 | (32) | 山抹微云    | (38) |
| 人之多言,亦可畏也 | (32) | 山风吹空林   | (38) |
|           |      | 山中一夜雨   | (39) |

|               |      |               |      |
|---------------|------|---------------|------|
| 山中无历日 .....   | (39) | 万事到头都是梦 ..... | (46) |
| 山重水复疑无路 ..... | (39) | 万事不如身手好 ..... | (47) |
| 山随平野尽 .....   | (39) | 万影皆因月 .....   | (47) |
| 山花照坞复烧溪 ..... | (40) | 万里经年别 .....   | (47) |
| 山外青山楼外楼 ..... | (40) | 万里悲秋常作客 ..... | (47) |
| 山映斜阳天连水 ..... | (40) | 万里江山万里尘 ..... | (48) |
| 山回路转不见君 ..... | (41) | 万籁真笙竽 .....   | (48) |
| 山好已无归国梦 ..... | (41) | 万壑树参天 .....   | (48) |
| 山盟虽在 .....    | (41) | 万壑有声含晚籁 ..... | (48) |
| 山僧不识英雄主 ..... | (41) | 万族各有托 .....   | (48) |
| 山从平地有 .....   | (42) | 万人丛中一握手 ..... | (49) |
| 山色不言语 .....   | (42) | 久旱逢甘雨 .....   | (49) |
| 丈夫未可轻年少 ..... | (42) | 久在樊笼里 .....   | (49) |
| 丈夫有泪不轻弹 ..... | (42) | 已凉天气未寒时 ..... | (49) |
| 丈夫非无泪 .....   | (42) | 才可必传能有几 ..... | (50) |
| 丈夫可杀不可羞 ..... | (43) | 小舟从此逝 .....   | (50) |
| 丈夫志四海 .....   | (43) | 小荷才露尖尖角 ..... | (50) |
| 丈夫盖棺事始定 ..... | (43) | 小楼一夜听春雨 ..... | (50) |
| 千山鸟飞绝 .....   | (43) | 小儿骑竹作骅骝 ..... | (51) |
| 千山红树万山云 ..... | (44) | 小园桃李东风后 ..... | (51) |
| 千里稻花应秀色 ..... | (44) | 小雨送花青见萼 ..... | (51) |
| 千里暮云重叠翠 ..... | (44) | 小雨愔愔人假寐 ..... | (51) |
| 千门万户曈曈日 ..... | (45) | 乡泪客中尽 .....   | (51) |
| 千念集日夜 .....   | (45) | 乡村四月闲人少 ..... | (52) |
| 千淘万漉虽辛苦 ..... | (45) | 乡心新岁切 .....   | (52) |
| 千磨万击还坚劲 ..... | (45) | 门前冷落车马稀 ..... | (52) |
| 千江有水千江月 ..... | (46) | 夕阳西下几时回 ..... | (52) |
| 千呼万唤始出来 ..... | (46) | 夕阳暝色来千里 ..... | (52) |
| 万事从来风过耳 ..... | (46) | 夕阳无限好 .....   | (53) |

|               |      |               |      |
|---------------|------|---------------|------|
| 夕阳芳草本无恨 ..... | (53) | 天有不测风云 .....  | (60) |
| 及时当勉励 .....   | (53) | 天苍苍,野茫茫 ..... | (60) |
| 及看花落后 .....   | (53) | 天连五岭银锄落 ..... | (61) |
| 与可画竹时 .....   | (54) | 天近易回三辅雁 ..... | (61) |
| 上山擒虎易 .....   | (54) | 天若有情天亦老 ..... | (61) |
| 上穷碧落下黄泉 ..... | (54) | 天忽作晴山卷幔 ..... | (61) |
| 凡事有兴废 .....   | (54) | 天哀志气人 .....   | (62) |
| 子系中山狼 .....   | (54) | 天接云涛连晓雾 ..... | (62) |
| 子规夜半犹啼血 ..... | (55) | 天涯何处无芳草 ..... | (62) |
| 马上相逢无纸笔 ..... | (55) | 天涯地角有穷时 ..... | (62) |
| 马思边草拳毛动 ..... | (55) | 天涯流落思无穷 ..... | (62) |
| 飞流直下三千尺 ..... | (55) | 天街小雨润如酥 ..... | (63) |
| <b>四 画</b>    |      | 天意君须会 .....   | (63) |
| 王师北定中原日 ..... | (57) | 天意怜幽草 .....   | (63) |
| 王侯与蝼蚁 .....   | (57) | 天意高难问 .....   | (63) |
| 开门半山月 .....   | (57) | 天憎梅浪发 .....   | (64) |
| 开轩面场圃 .....   | (57) | 元知造物心肠别 ..... | (64) |
| 开遍西湖春意烂 ..... | (57) | 无人信高洁 .....   | (64) |
| 天工作民良久艰 ..... | (58) | 无力买田聊种水 ..... | (64) |
| 天下三分明月夜 ..... | (58) | 无为在歧路 .....   | (65) |
| 天上浮云似白衣 ..... | (58) | 无心与物竞 .....   | (65) |
| 天子好美女 .....   | (58) | 无可奈何花落去 ..... | (65) |
| 天长地久有时尽 ..... | (59) | 无边落木萧萧下 ..... | (65) |
| 天公尚有妨农过 ..... | (59) | 无限旱苗枯欲尽 ..... | (65) |
| 天生我材必有用 ..... | (59) | 无贵无贱 .....    | (66) |
| 天边心胆架头身 ..... | (59) | 无冥冥之志者 .....  | (66) |
| 天地无终极 .....   | (59) | 无情不似多情苦 ..... | (66) |
| 天地存肝胆 .....   | (60) | 无情最是台城柳 ..... | (67) |
| 天机云锦用在我 ..... | (60) | 无欲自然心如水 ..... | (67) |

|               |      |                 |      |
|---------------|------|-----------------|------|
| 无意怀人偏入梦 ..... | (67) | 不要人夸颜色好 .....   | (73) |
| 无意苦争春 .....   | (67) | 不是一番寒彻骨 .....   | (74) |
| 云开巫峡千峰出 ..... | (67) | 不是花中偏爱菊 .....   | (74) |
| 云网塞四区 .....   | (68) | 不畏浮云遮望眼 .....   | (74) |
| 云来山更佳 .....   | (68) | 不闻人声,时闻落子.....  | (74) |
| 云破月来花弄影 ..... | (68) | 不积跬步,无以致千里..... | (74) |
| 云深不见千岩秀 ..... | (68) | 不羞老圃秋容淡 .....   | (75) |
| 云想衣裳花想容 ..... | (69) | 不能手提天下往 .....   | (75) |
| 云横秦岭家何在 ..... | (69) | 不惜千金买宝刀 .....   | (75) |
| 云霞出海曙 .....   | (69) | 不敢高声语 .....     | (75) |
| 木有文章曾是病 ..... | (69) | 不敢暴虎 .....      | (76) |
| 木受绳则直 .....   | (70) | 不愤不启 .....      | (76) |
| 木落山城出 .....   | (70) | 不曾远别离 .....     | (76) |
| 木落江渡寒 .....   | (70) | 不管风吹浪打 .....    | (76) |
| 五月天山雪 .....   | (70) | 不管烟波与风雨 .....   | (77) |
| 五月榴花照眼明 ..... | (70) | 不薄今人爱古人 .....   | (77) |
| 五更千里梦 .....   | (71) | 犬吠水声中 .....     | (77) |
| 五更鼓角声悲壮 ..... | (71) | 历览前贤国与家 .....   | (77) |
| 五岭逶迤腾细浪 ..... | (71) | 友如作画须求淡 .....   | (77) |
| 五岳寻仙不辞远 ..... | (71) | 车如流水马如龙 .....   | (78) |
| 不才明主弃 .....   | (72) | 少小离家老大回 .....   | (78) |
| 不以物喜 .....    | (72) | 少壮不努力 .....     | (78) |
| 不如意事常八九 ..... | (72) | 少壮轻年月 .....     | (78) |
| 不应有恨 .....    | (72) | 少年不识愁滋味 .....   | (78) |
| 不识庐山真面目 ..... | (72) | 少年心事当拏云 .....   | (79) |
| 不到长城非好汉 ..... | (73) | 少年乐新知 .....     | (79) |
| 不知来岁牡丹时 ..... | (73) | 少年安得长少年 .....   | (79) |
| 不知细叶谁裁出 ..... | (73) | 少年辛苦终身事 .....   | (79) |
| 不相菲薄不相师 ..... | (73) | 少年衰老与花同 .....   | (80) |

|                |      |                    |      |
|----------------|------|--------------------|------|
| 少年情事老来悲 .....  | (80) | 长年是事皆抛尽 .....      | (86) |
| 日出江花红胜火 .....  | (80) | 长江风送客 .....        | (86) |
| 日华川上动 .....    | (80) | 长城万里今犹在 .....      | (86) |
| 日啖荔枝三百颗 .....  | (80) | 长恨人心不如水 .....      | (87) |
| 日兼春有暮 .....    | (81) | 长恨春归无觅处 .....      | (87) |
| 日落江湖白 .....    | (81) | 片帆烟际闪孤光 .....      | (87) |
| 日暮乡关何处是 .....  | (81) | 仍怜故乡水 .....        | (87) |
| 日暮北风吹雨去 .....  | (81) | 从今克己应犹及 .....      | (88) |
| 日暮苍山远 .....    | (81) | 从今别却江南路 .....      | (88) |
| 日暮诗成天又雪 .....  | (82) | 从此无心爱良夜 .....      | (88) |
| 日暮酒醒人已远 .....  | (82) | 从来天下士, 只在布衣中 ..... |      |
| 日暮数峰青似染 .....  | (82) | .....              | (88) |
| 中庭月色正清明 .....  | (82) | 从来名利地, 皆起是非心 ..... |      |
| 水仙欲上鲤鱼去 .....  | (83) | .....              | (89) |
| 水边杨柳绿丝垂 .....  | (83) | 从来好事天生俭 .....      | (89) |
| 水光潋滟晴方好 .....  | (83) | 从别后, 忆相逢 .....     | (89) |
| 水回青嶂合 .....    | (83) | 今人不见古时月 .....      | (78) |
| 水是眼波横 .....    | (83) | 今日复今日 .....        | (89) |
| 水流心不竞 .....    | (84) | 今日送君须尽醉 .....      | (90) |
| 水流花谢两无情 .....  | (84) | 今日黄堂一杯酒 .....      | (90) |
| 水清石出鱼可数 .....  | (84) | 今岁花期消息定 .....      | (90) |
| 水清石自见 .....    | (84) | 今年花似去年好 .....      | (90) |
| 水深鱼极乐 .....    | (84) | 今年花胜去年红 .....      | (91) |
| 手如柔荑 .....     | (85) | 今来县宰加朱绂 .....      | (91) |
| 气蒸云梦泽 .....    | (85) | 今夜月明人尽望 .....      | (91) |
| 长于春梦几多时 .....  | (85) | 今夜偏知春气暖 .....      | (91) |
| 长风万里送秋雁 .....  | (85) | 今宵剩把银缸照 .....      | (92) |
| 长风破浪 会有时 ..... | (86) | 今朝一岁大家添 .....      | (92) |
| 长因送人处 .....    | (86) | 今朝有酒今朝醉 .....      | (92) |

|                  |      |               |       |
|------------------|------|---------------|-------|
| 分手脱相赠 .....      | (92) | 风流不在谈锋胜 ..... | (99)  |
| 公卿有党排宗泽 .....    | (93) | 风递钟声云外寺 ..... | (99)  |
| 公道世间唯白发 .....    | (93) | 风蒲猎猎弄轻柔 ..... | (99)  |
| 月下江流静 .....      | (93) | 风暖鸟声碎 .....   | (99)  |
| 月上柳梢头 .....      | (93) | 风翻白浪花千片 ..... | (100) |
| 月子弯弯照九州 .....    | (93) | 丹青不知老将至 ..... | (100) |
| 月从雪后皆奇夜 .....    | (94) | 丹青难写是精神 ..... | (100) |
| 月出惊山鸟 .....      | (94) | 文字缘同骨肉深 ..... | (100) |
| 月初圆忽被阴云 .....    | (94) | 文章千古事 .....   | (101) |
| 月明星稀 .....       | (94) | 文章已满行人耳 ..... | (101) |
| 月落乌啼霜满天 .....    | (95) | 文章本天成 .....   | (101) |
| 风马牛不相及 .....     | (95) | 文章体制本天生 ..... | (101) |
| 风叶初疑雨 .....      | (95) | 文章最忌随人后 ..... | (102) |
| 风乍起,吹皱一池春水 ..... | (95) | 文章憎命达 .....   | (102) |
| 风收云散波忽平 .....    | (96) | 文籍虽满腹 .....   | (102) |
| 风声雨声读书声声入耳 ..... | (96) | 火树银花合 .....   | (102) |
| .....            | (96) | 为人性僻耽佳句 ..... | (102) |
| 风来花自舞 .....      | (96) | 为求一字稳 .....   | (103) |
| 风助群鹰击 .....      | (96) | 为君持酒劝斜阳 ..... | (103) |
| 风里浪花吹更白 .....    | (96) | 冗繁削尽留清瘦 ..... | (103) |
| 风吹古木晴天雨 .....    | (97) | 心同野鹤与尘远 ..... | (103) |
| 风吹柳花满店香 .....    | (97) | 心如老马虽知路 ..... | (104) |
| 风吹野柳悬罗带 .....    | (97) | 心远地自偏 .....   | (104) |
| 风含翠筱娟娟净 .....    | (97) | 心若垂杨千万缕 ..... | (104) |
| 风林一叶下 .....      | (98) | 心轻万事如鸿毛 ..... | (104) |
| 风鸣两岸叶 .....      | (98) | 心绪逢摇落 .....   | (105) |
| 风前柳态闲时少 .....    | (98) | 尺有所短 .....    | (105) |
| 风前横笛斜吹雨 .....    | (98) | 尺纸从头彻尾空 ..... | (105) |
| 风兼残雪起 .....      | (98) | 巴东三峡巫峡长 ..... | (105) |

|                      |                    |
|----------------------|--------------------|
| 以色事他人,能得几时好·····     | 正入万山圈子里····· (112) |
| ····· (106)          | 正是江南好风景····· (112) |
| 以胶投漆中,谁能别离此·····     | 正是客心孤迥处····· (112) |
| ····· (106)          | 功名本是无凭事····· (112) |
| 劝君不用镌顽石····· (106)   | 功名只向马上取····· (112) |
| 劝君更进一杯酒····· (106)   | 功名倪来事····· (113)   |
| 劝君莫用夸头角····· (106)   | 功名富贵若长在····· (113) |
| 劝君莫惜金缕衣····· (107)   | 功高成怨府····· (113)   |
| 双鬓多年作雪····· (107)    | 功盖三分国····· (113)   |
| 书生事业真堪笑····· (107)   | 去日儿童皆长大····· (114) |
| 书册埋头无了日····· (107)   | 去者日以疏····· (114)   |
| 书当快意读易尽····· (108)   | 去愿车轮迟····· (114)   |
| 书卷多情似故人····· (108)   | 世人结交需黄金····· (114) |
| 五 画                  | 世人都晓神仙好····· (114) |
| 玉不琢不成器····· (109)    | 世上岂无千里马····· (115) |
| 玉指纤纤嫩剥葱····· (109)   | 世上英雄本无主····· (115) |
| 玉皇若问人间事····· (109)   | 世有伯乐····· (115)    |
| 玉容寂寞泪阑干····· (109)   | 世间无限丹青手····· (115) |
| 玉鳞寂寂飞斜月····· (109)   | 世间何物催人老····· (116) |
| 未必人间无好汉····· (110)   | 世事纷纷一局棋····· (116) |
| 未到根源岂敢休····· (110)   | 世事茫茫难自料····· (116) |
| 未知何岁月····· (110)     | 世事短如春梦····· (116)  |
| 未能抛得杭州去····· (110)   | 世胄蹶高位····· (116)   |
| 未谙姑食性····· (110)     | 古人学问无遗力····· (117) |
| 打起黄莺儿····· (111)     | 古竹老梢惹碧云····· (117) |
| 巧言如流····· (111)      | 古来万事东流水····· (117) |
| 巧言如簧····· (111)      | 古来圣贤皆寂寞····· (117) |
| 巧妻常伴拙夫眠····· (111)   | 古来百巧出穷人····· (117) |
| 巧笑倩兮,美目盼兮····· (111) | 古来存老马····· (118)   |

|                    |                      |
|--------------------|----------------------|
| 古来事业由人做····· (118) | 东边日出西边雨····· (125)   |
| 古宫闲地少····· (118)   | 东洋海洗不尽脸上羞····· (125) |
| 古调虽自爱····· (118)   | 东隅已逝····· (125)      |
| 本待将心托明月····· (118) | 业精于勤,荒于嬉····· (125)  |
| 可怜九月初三夜····· (119) | 旧书不厌百回读····· (126)   |
| 可怜无定河边骨····· (119) | 旧时王谢堂前燕····· (126)   |
| 可怜身上衣正单····· (119) | 旧恨春江流未断····· (126)   |
| 可怜夜半虚前席····· (119) | 旧巢共是衔泥燕····· (126)   |
| 可怜剃头者····· (120)   | 旧游无处不堪寻····· (127)   |
| 可怜新月为谁好····· (120) | 目送飞鸿····· (127)      |
| 可堪孤馆闭春寒····· (120) | 田家衣食无厚薄····· (127)   |
| 龙游浅水遭虾戏····· (120) | 由来骨鲠材····· (127)     |
| 平分秋色一轮满····· (121) | 只在此山中····· (128)     |
| 平生不作亏心事····· (121) | 只因误识林和靖····· (128)   |
| 平生不作皱眉事····· (121) | 只言旋老转无事····· (128)   |
| 平生不敢轻言语····· (121) | 只知事逐眼前去····· (128)   |
| 平生不解藏人善····· (122) | 只待高风便····· (128)     |
| 平生风义兼师友····· (122) | 只恐双溪舴艋舟····· (129)   |
| 平生读书为谁事····· (122) | 只恐江南春意减····· (129)   |
| 平生最识江湖味····· (122) | 只恐夜深花睡去····· (129)   |
| 平芜尽处是春山····· (123) | 只愿君心似我心····· (129)   |
| 平明寻白羽····· (123)   | 兄弟阅子墙····· (130)     |
| 平畴交远风····· (123)   | 四时可爱唯春日····· (130)   |
| 东飞伯劳西飞燕····· (123) | 四面荷花三面柳····· (130)   |
| 东风不与周郎便····· (123) | 四海无闲田····· (130)     |
| 东风吹彻满城花····· (124) | 四海变秋气····· (130)     |
| 东风知我欲山行····· (124) | 四海皆兄弟····· (131)     |
| 东风夜放花千树····· (124) | 生才贵适用····· (131)     |
| 东风满天地····· (124)   | 生子当如孙仲谋····· (131)   |

- |                    |                    |
|--------------------|--------------------|
| 生处岂容依玉砌…………… (131) | 丛菊两开他日泪…………… (138) |
| 生存多所虑…………… (132)   | 尔曹身与名俱灭…………… (138) |
| 生当作人杰…………… (132)   | 乐天长短三千首…………… (138) |
| 生年不满百…………… (132)   | 外合不由中…………… (139)   |
| 生来笼统君休笑…………… (132) | 鸟归沙有迹…………… (139)   |
| 生前富贵草头露…………… (133) | 鸟尽良弓藏…………… (139)   |
| 乍见翻疑梦…………… (133)   | 鸟鸣识夜栖…………… (139)   |
| 乍暖还寒时候…………… (133)  | 鸟宿池边树…………… (139)   |
| 乍暖柳条无气力…………… (133) | 饥不从猛虎食…………… (140)  |
| 白马岩中出…………… (134)   | 饥不啄腐鼠…………… (140)   |
| 白云在青天…………… (134)   | 立当青草人先见…………… (140) |
| 白云回望合…………… (134)   | 立锥莫笑无余地…………… (140) |
| 白云抱幽石…………… (134)   | 玄都观里桃千树…………… (141) |
| 白日不照吾精诚…………… (134) | 半亩方塘一鉴开…………… (141) |
| 白日地中出…………… (135)   | 宁与黄鹄比翼乎…………… (141) |
| 白日依山尽…………… (135)   | 宁与燕雀翔…………… (141)   |
| 白日放歌须纵酒…………… (135) | 宁为百夫长…………… (142)   |
| 白日莫空过…………… (135)   | 宁为宇宙闲吟客…………… (142) |
| 白日曜青春…………… (135)   | 宁为雁奴死…………… (142)   |
| 白毛浮绿水…………… (136)   | 宁可枝头抱香死…………… (142) |
| 白发三千丈…………… (136)   | 宁作野中之双兔…………… (143) |
| 白发无情侵老境…………… (136) | 宁知霜雪后…………… (143)   |
| 白发悲花落…………… (136)   | 它山之石…………… (143)    |
| 白雪却嫌春色晚…………… (136) | 写取一枝清瘦竹…………… (143) |
| 白露收残暑…………… (137)   | 记取春来杨柳…………… (143)  |
| 他乡有明月…………… (137)   | 记得绿罗裙…………… (144)   |
| 他年我若为青帝…………… (137) | 永忆江湖归白发…………… (144) |
| 他家本是无情物…………… (137) | 司空见惯浑闲事…………… (144) |
| 瓜田不纳履…………… (137)   | 出师一表真名世…………… (144) |

|                       |                      |
|-----------------------|----------------------|
| 出师未捷身先死····· (145)    | 池上碧苔三四点····· (152)   |
| 出淤泥而不染····· (145)     | 字字看来皆是血····· (152)   |
| 边月随弓影····· (145)      | 字人无异术····· (152)     |
| 发为胡茄吹作雪····· (146)    | 安能摧眉折腰事权贵····· (152) |
| 发短愁催白····· (146)      | 安能追逐人间事····· (153)   |
| 圣代自应无弃物····· (146)    | 安得广厦千万间····· (153)   |
| 对酒当歌····· (146)       | 安得万里裘····· (153)     |
| 对潇潇暮雨洒江天····· (147)   | 安得长绳系日月····· (153)   |
| 台畔卧薪台上舞····· (147)    | 衣不如新····· (154)      |
| 丝纶慢整,牵动一潭星····· (147) | 衣带渐宽终不悔····· (154)   |
| 六 画                   | 衣食当须纪····· (154)     |
| 江上柳如烟····· (148)      | 西风酒旗市····· (154)     |
| 江上秋风无限浪····· (148)    | 西北望长安····· (154)     |
| 江山代有才人出····· (148)    | 西窗一雨无人见····· (155)   |
| 江山如画····· (148)       | 西塞山前白鹭飞····· (155)   |
| 江山亦要文人捧····· (149)    | 老人几度送余春····· (155)   |
| 江山如此多娇····· (149)     | 老景清闲如啖蔗····· (155)   |
| 江流天地外····· (149)      | 老树著花无丑枝····· (155)   |
| 江畔何人初见月····· (149)    | 老至居人下····· (156)     |
| 江月不随流水去····· (150)    | 老牛粗了耕耘债····· (156)   |
| 江头未是风波恶····· (150)    | 老去才虽尽····· (156)     |
| 江汉光翻千里雪····· (150)    | 老冉冉其将至今····· (156)   |
| 江声不尽英雄恨····· (150)    | 老读书兴易阑····· (157)    |
| 江南可采莲····· (151)      | 老骥伏枥····· (157)      |
| 江南佳丽地····· (151)      | 共在人间说天上····· (157)   |
| 江碧鸟愈白····· (151)      | 共看明月应垂泪····· (157)   |
| 江暗雨欲来····· (151)      | 死去元知万事空····· (158)   |
| 池塘生春草····· (151)      | 死去何所道····· (158)     |
| 池光不受月····· (152)      | 在山泉水清····· (158)     |